आइआइएम रांची के विद्यार्थियों ने ग्रामीण शिल्पकारों को दी अहम जानकारी

रांची. आइआइएम रांची में संचालित महात्मा गांधी नेशनल फेलो का समापन शनिवार को होगा. दो वर्षों तक संचालित इस कार्यक्रम में झारखंड और तमिलनाडु के 61 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. इसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिले की परिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाना था. दो वर्ष तक प्रतिभागियों को विभिन्न दलों में बांटकर राज्य के विभिन्न जिलों में भेजा गया, जहां स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक रोजगार व्यवस्था को बढ़ावा देने की पहल की गयी. आइआइएम रांची के प्राध्यापक गौरव मराठे ने बताया कि विद्यार्थियों को पहले चरण में प्रबंधन कौशल, पब्लिक पॉलिसी, डेवलपमेंट, कम्युनिकेशन एंड स्किल डेवलपमेंट की जानकारी दी गयी. इसका लाभ विद्यार्थियों को स्थानीय रोजगार शैली को व्यवस्थित करने में मिला. इससे राज्य के टेराकोटा, चित्रकला, बुनकर व लाह से निर्मित उपक्रम तैयार करनेवाले शिल्पकारों को राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार दिलाने में सहयोग मिला. साथ ही प्रतिभागी विद्यार्थियों ने शिल्पकारों को अपने रोजगार के प्रबंधन की जानकारी दी.

Prabhat Khabar_28.10.2023_Pg. 13